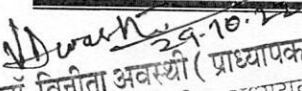


Theory Paper

Part A Introduction			
Program: Degree	Class : B. A.	Year: III	Session: 2023-2024
Subject: PHILOSOPHY			
1	Course Code	A3-PHIL1D	
2	Course Title	<i>Outlines of Indian Philosophy, (Group A Paper – I)</i>	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	DSE	
4	Pre-requisite	It is mandatory for students studying for this course to have studied Philosophy subject at Diploma level.	
5	Course Learning outcomes (CLO)	1. By studying this course, a student will learn various treatise on classical Indian Philosophy and enquiries into the different texts which led the foundation of Indian Philosophy. 2. By studying this course, a student will be able to get the detailed introduction of Indian knowledge system.	
6	Credit Value	6	
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks:35
Part B- Content of the Course			
Total No. of Lectures -90, Tutorials – 0, Practical – 0, L-T-P: 3-0-0 (in hours per week)			
Unit	Topics	No. of Lectures (I Hour Each)	
I	Introduction of Indian Philosophy 1. Introduction of Indian knowledge tradition – Shruti (Agama) and Smriti (Nigama). 2. Common Characteristics and Classification of Indian Philosophical School – Vedic and Non-Vedic. 3. Philosophical Concept of Veda, Upnishad, and Bhagvadgita. Keyword: Shruti, Smriti, Vedic, Non-Vedic, Orthodox, Heterodox.	18	
II	Charvaka, Jainism, and Buddhism 1. Charvaka Philosophy – Epistemology, Metaphysics. 2. Jainism – Anekantavada, Syadvada, Doctrine of Karma, Bondage and Liberation. 3. Buddhism – Four Noble Truth, Pratityasamutpada, Momentariness, Anatmavada. Keyword: Epistemology, Metaphysics, Anekantavada, Syadvada, Four Noble Truth, Pratityasamutpada, Momentariness, Anatmavada.	18	
III	Samkhya and Yoga 1. Samkhya Philosophy –Satkaryavada, Prakriti, Purusha, Plurality of Purusha, Evolution Theory. 2. Yoga Philosophy – Chitta, Chittavritti, Eight Fold Path, God. 3. Yoga Philosophy – Concept of Klesha, Abhyasa-Vairagya and Kriyayoga. Keyword: Satkaryavada, Prakriti, Purusha, Chittavritti, Eight Fold Path, Klesha.	18	


 डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
 अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
 नर्मदापुरम (म.प्र.)

IV	Nyaya, Vaisheshika and Mimamsa Nyaya Philosophy – Prama and Aprama, Definition and kinds of Perception, Definition and Kinds of Inference, Comparison and Verbal Testimony, Concept of God. 1. Vaisheshika Philosophy – Padarthvada. 2. Mimamsa Philosophy – Arthapatti and Anuplabdhi, Concept of Dharma and Karma. Keyword: Prama and Aprama, Padarthvada, Arthapatti and Anuplabdhi.	18
V	Advaita and Vishishtadvaita 1. Advaita Vedanta – Shankara's view of Brahm, Three grades of Satta, Jiva, Jagat, Maya and Liberation. 2. Advaita Vedanta – Vivartavada and anirvachaniyakhyativada. 3. Vishishtadvaita Vedanta – Ramanuja's view of Brahm, Jiva, Jagat, Refutation of Maya, Liberation. Keyword: Brahm, Three grades of Satta, Refutation of Maya, Liberation, Vivartavada and Anirvachaniya Khyativada.	18

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings :

1. Dutta and Chatterjee, "An Introduction to Philosophy", University of Calcutta, 1968.
2. Hiriyanna, M, "Outlines of Indian Philosophy", George Allen and Unwin, London, 1932.
3. Radhakrishnan, S., "Indian Philosophy (Vol. I & II)", Oxford University Press, New Delhi, 2008.
4. Sharma, C.D., "A Critical Survey of Indian Philosophy", Motilal Banarasidas, New Delhi, 2016.
5. Edited by -Radhakrishnan Sarvepalli and Moore A. Charles "A source book in Indian Philosophy", Princeton New Jersey, Princeton University Press, 1957.

Suggestive digital platforms web links:

1. <https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.442023/mode/1up?view=theatre>
2. <https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.319713/mode/1up?view=theatre>
3. <https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.429881/mode/1up?view=theatre>
4. <https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.403237/mode/1up?view=theater>

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

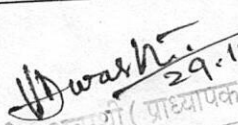
Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 marks University Exam (UE) 70 marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test Assignment /Presentation	30
External Assessment : University Exam Section Time : 03.00 Hours	Section(A) : - Very Short Questions Section (B) : - Short Questions : Section (C) : - Long Questions	70

Any remarks/ suggestions:


29.10.22
डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्ययन मण्डल
शासकीय नर्मदा नगर निगम
नर्मदापुरम (म.प्र.)

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: उपाधि	कक्षा: बी. ए.	वर्ष: तृतीय	सत्र: 2023-2024
विषय : दर्शनशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-PHIL1D	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय दर्शन की रूपरेखा, (Group A प्रश्न-पत्र - I)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	DSE	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए यह अनिवार्य है कि छात्र ने दर्शनशास्त्र विषय का अध्ययन डिप्लोमा स्तर पर किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों को भारतीय दर्शन पर विभिन्न आलेख एवं विभिन्न पुस्तकों की अन्वीक्षा करने का अवसर मिलेगा, जो भारतीय दर्शन की आधारभूमि है। 2. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा का विस्तृत ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान	6	
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks:35
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या - 90, ट्यूटोरियल - 0, प्रायोगिक -0			
L-T-P: 3-0-0 (प्रति सप्ताह घंटे में)			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1 घंटा/ व्याख्यान)	
प्रथम	भारतीय दर्शन का परिचय 1. भारतीय ज्ञान परंपरा का परिचय - श्रुति (आगम) एवं स्मृति (निगम)। 2. भारतीय दार्शनिक सम्प्रदायों की सामान्य विशेषताएँ एवं उनका विभाजन - वैदिक एवं अवैदिक। 3. वेद, उपनिषद् एवं भगवद्गीता के दार्शनिक विचार। कुंजी शब्द: श्रुति, स्मृति, वैदिक अवैदिक।	18	
द्वितीय	चावार्क, जैन, बौद्ध 1. चावार्क दर्शन - ज्ञानमीमांसा, तत्वमीमांसा। 2. जैन दर्शन - अनेकान्तवाद, स्याद्वाद, कर्म सिद्धांत, बंधन और मोक्ष। 3. बौद्ध दर्शन - चार आर्य सत्य, प्रतीत्यसमुत्पाद, क्षणभंगवाद, अनात्मवाद। कुंजी शब्द: ज्ञानमीमांसा, तत्वमीमांसा, अनेकान्तवाद, स्याद्वाद, चार आर्यसत्य, प्रतीत्यसमुत्पाद, क्षणभंगवाद, अनात्मवाद।	18	

डॉ. विनीता अदवशी (प्रध्यापक-दर्शनशास्त्र)
 अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
 नर्मदापुरम (म.प्र.)

तृतीय	सांख्य एवं योग 1. सांख्य दर्शन – सत्कार्यवाद, प्रकृति, पुरुष, पुरुष बहुत्व, विकास सिद्धांत । 2. योग दर्शन – चित्त, चित्तवृत्ति, अष्टांग योग, ईश्वर । 3. योग दर्शन-क्लेश विचार, अभ्यास-वैराग्य एवं क्रियायोग । कुंजी शब्द: सत्कार्यवाद, प्रकृति, पुरुष, चित्तवृत्ति, अष्टांग योग, क्लेश ।	18
चतुर्थ	न्याय, वैशेषिक एवं मीमांसा 1. न्यायदर्शन – प्रमा एवं अप्रमा, प्रत्यक्ष की परिभाषा एवं प्रकार, अनुमान की परिभाषा एवं प्रकार, उपमान एवं शब्द, ईश्वर विचार । 2. वैशेषिक दर्शन – पदार्थवाद । 3. मीमांसा दर्शन – अर्थापत्ति एवं अनुपलब्धि, धर्म एवं कर्म संबंधी विचार । कुंजी शब्द: प्रमा एवं अप्रमा, पदार्थवाद, अर्थापत्ति, अनुपलब्धि ।	18
पंचम	अद्वैत एवं विशिष्टाद्वैत 1. अद्वैत वेदांत – शंकर का ब्रह्म विचार, सत्ता के तीन स्तर, जीव, जगत्, माया, एवं मोक्ष । 2. अद्वैत वेदांत – विवर्तवाद एवं अनिर्वचनीय ख्यातिवाद । 3. विशिष्टाद्वैत वेदांत – रामानुज का ब्रह्म विचार, जीव, जगत्, माया का खंडन, मोक्ष । कुंजी शब्द: ब्रह्म, सत्ता के तीन स्तर, माया का खंडन, मोक्ष, विवर्तवाद एवं अनिर्वचनीय ख्यातिवाद ।	18

सार बिंदु (की बर्ड) टिग:

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

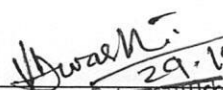
अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री :

1. शर्मा, डॉ. चंद्रधर, “भारतीय दर्शन अलोचन और अनुशीलन”, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 1995 ।
2. सिंह, डॉ. बी. एन. एवं सिंह, आशा सिंह, “भारतीय दर्शन”, स्टूडेंट्स फ्रेंड्स एंड कंपनी, 1996 ।
3. सिन्हा, प्रो. हरेन्द्र प्रसाद, “भारतीय दर्शन की रूपरेखा”, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 1963 ।
4. उपाध्याय, बलदेव, “भारतीय दर्शन”, शारदा मंदिर, वाराणसी, 1997 ।
5. देवराज, नंदकिशोर, “भारतीय दर्शन”, उ.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ, 1975 ।
6. दत्त एवं चटर्जी, “भारतीय दर्शन”, पुस्तक महल, पटना, 2013 ।
7. खरे, प्रदीप कुमार एवं शाक्य, आर.पी., “भारतीय दर्शन”, म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 2019 ।

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक :

1. <https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.442023/mode/1up?view=theatre>
2. <https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.319713/mode/1up?view=theatre>
3. <https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.429881/mode/1up?view=theatre>
4. <https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.403237/mode/1up?view=theater>

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:


 डॉ. विनीता शर्मा (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
 अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
 नर्मदापुरम (म.प्र.)

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

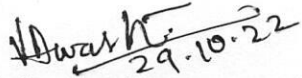
आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	30
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	
आकलन :	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न	70
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): लघु प्रश्न	
समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (शब्द)	

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Dwark
29.10.22
डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
नर्मदापुरम (म.प्र.)

Theory Paper

Part A Introduction			
Program: Degree		Class : B. A.	Year: III
Session: 2023-24			
Subject: Philosophy			
1	Course Code	A3-PHIL2D	
2	Course Title	Western Philosophy, (Group A Paper - II)	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/...)	DSE	
4	Pre-requisite	It is mandatory for students applying for this course to have studied Philosophy subject at Diploma level.	
5	Course Learning outcomes (CLO)	- Students will acquire the knowledge of major Philosophies of Britain, France, Ireland, and Germany by studying the course. - The course would be helpful to increase analytical and synthetical thinking abilities in the students. - A critical evaluative approach would be enhanced in the students. - The course would be useful for various State and National level competitions.	
6	Credit Value	6	
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks:35
Part B- Content of the Course			
Total No. of Lectures – 90, Tutorials – 0, Practical – 0 :			
L-T-P: 3-0-0 (in hours per week)			
Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)	
I	Nature of Western Philosophy - Brief Introduction of Greek Philosophy. - Socratic Philosophical Method. - Plato's Idealism. - Aristotle's Theory of causation, Matter and Form. Keyword: Western Tradition before and after Socrates, Ancient Western Philosophy, Greek Philosophy.	18	
II	Saint Augustine - God, World. Saint Anselm – God. Saint Thomas Aquinas – God. Keyword: Medieval Philosophy, Medieval Theistic Philosophy.	18	
III	- Characteristics of Modern Western Philosophy. - Nature and Characteristics of Rationalism. Rene Descartes – Method of Doubt, Mind and Body Relation. Benedict Spinoza - Spinoza Substance (God) Attribute and Mode. Leibnitz - Monadology (Spiritual Pluralism), Pre-established Harmony. Keyword: Modern Rationalist Philosophy, Philosophers of Rene Descartes Tradition, Promoter and Follower of Rationalism.	18	


 डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
 राजस्थान केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
 नर्मदापुरम (म.प्र.)

IV	1. Nature of Empiricism. 2. John Locke - Refutation of Innate Ideas, Theory of Empiricism, Locke's Epistemology (Origin of knowledge, Limits of knowledge and its validity). 3. George Berkeley - 'Esse est Percipi', Subjective Idealism. 4. David Hume - Skepticism, Keyword: Modern Empiricist Philosophy, John Locke, George Berkeley, David Hume.	18
V	1. Immanuel Kant's Philosophy – Criticism of Rationalism and Empiricism, Space and Time. 2. Hegel's Philosophy - Absolute Idealism, Dialectical Method. Keyword: Criticism, Kant's and Hegel's Philosophy.	18

Keyword/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Sharma Ramavtar Late Mahamahopadhyay, "European Philosophy", Bihar Rashtra Bhasha Parishad, Patna, 1952.
2. Sinha Dr. JN, "Western Philosophy", Jaiprakash Nath & Co., Meerut, 1st Edition, 1960.
3. Tiwari Dr. Braj Gopal, "Modern Age of Western Philosophy", Laxminarayan Agarwal, Hospital Road, Agra - 3
4. Radhakrishnan Dr. Sarvepalli, "India and the World", Sanmarg Publications, Delhi – 7.
5. Masih Yakub, "Critical Essay on Western Modern Philosophy", Motilal Banarsidas, Patna– 4.
6. Verma Ashok Kumar, "Metaphysics and Epistemology", Motilal Banarsidas, Jawahar Nagar Delhi, 4th Edition, 1989.

Suggestive digital platforms web links:

1. www.ignouhelp.in/IGNOUBAinphilosophystudymaterial
2. www.friesian.com/history.htm
3. www.utm.edu.com

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

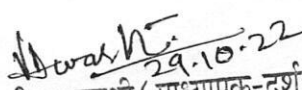
Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 marks University Exam (UE) 70 marks

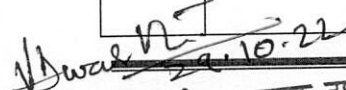
Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test Assignment/Presentation	30
External Assessment : University Exam Section Time : 03.00 Hours	Section(A) : Very Short Questions Section (B) : Short Questions Section (C) : Long Questions	70

Any remarks/ suggestions:


29.10.22
डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
नर्मदापुरम (म.प्र.)

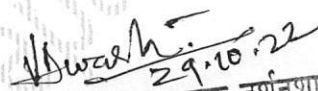
सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: उपाधि	कक्षा : बी. ए.	वर्ष: तृतीय	सत्र: 2023-2024
विषय: दर्शनशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-PHIL2D	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	पाश्चात्य दर्शन, (Group A प्रश्न पत्र- II)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	DSE	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए यह अनिवार्य है कि छात्र ने दर्शनशास्त्र विषय का अध्ययन डिप्लोमा स्तर पर किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी ब्रिटेन, फ्रांस, आयरलैंड, जर्मनी के प्रमुख दार्शनिकों के सिद्धांतों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों में संश्लेषणात्मक शक्ति, विश्लेषणात्मक शक्ति प्रबल करता है। 3. विद्यार्थियों के समीक्षात्मक दृष्टिकोण में वृद्धि होगी। 4. पाठ्यक्रम विभिन्न प्रदेशिक एवं राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी होगा।	
6	क्रेडिट मान	6	
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks:35
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या - 90, ट्यूटोरियल - 0, प्रायोगिक - 0 : L-T-P: 3-0-0 (प्रति सप्ताह घंटे में)			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1 घंटा/ व्याख्यान)	
प्रथम	पाश्चात्य दर्शन का स्वरूप 1. ग्रीक दर्शन का संक्षिप्त परिचय। 2. सुकरातीय दार्शनिक पद्धति। 3. प्लेटो का विज्ञानवाद। 4. अरस्तू का कारणतावाद, द्रव्य एवं आकार। कुंजी शब्द: सुकरात के पूर्व एवं पश्चात् की पाश्चात्य दार्शनिक परम्परा, प्राचीन पाश्चात्य दर्शन, ग्रीक दर्शन।	18	

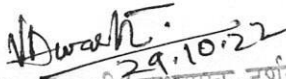

 डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
 अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
 नर्मदापुरम (म.प्र.)

द्वितीय	मध्युगीन दर्शन 1. संत ऑगस्टाइन – ईश्वर, जगत । 2. संत एन्सेल्म – ईश्वर । 3. संत थॉमस एक्विनास – ईश्वर । कुंजी शब्द: मध्यकाल का दर्शन, मध्ययुगीन ईश्वरवादी दर्शन ।	18
तृतीय	आधुनिक बुद्धिवादी दर्शन 1. बुद्धिवाद का स्वरूप एवं विशेषताएं । 2. रेने डेकार्ट – "संदेह पद्धति, मन एवं देह का संबंध" । 3. बेनेडिक्ट स्पिनोजा – स्पिनोजा का द्रव्य (ईश्वर) गुण एवं पर्याय । 4. लाइबनिट्ज – चिद्विंदुवाद (आध्यात्मिक बहुतत्ववाद), पूर्वस्थापित सामंजस्य । कुंजी शब्द: आधुनिक बुद्धिवादी दर्शन, रेने डेकार्ट परंपरा के दार्शनिक, बुद्धिवाद के प्रवर्तक एवं अनुयायी ।	18
चतुर्थ	आधुनिक अनुभववादी दर्शन 1. अनुभववाद का स्वरूप । 2. जॉन लॉक – जन्मजात प्रत्ययों का खंडन, लॉक की ज्ञानमीमांसा (ज्ञान की उत्पत्ति, ज्ञान की सीमा और उसकी वैधता) । 3. जॉर्ज बर्कले – सत्ता दृश्यता है (दृष्टि ही सृष्टि है), आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद । 4. डेविड ह्युम – संदेहवाद । कुंजी शब्द: आधुनिक अनुभववादी दर्शन, जॉन लाक, जॉर्ज बर्कले, डेविड ह्युम ।	18
पंचम	काण्ट एवं हीगल का दर्शन 1. एमैनुअल काण्ट का दर्शन - बुद्धिवाद एवं अनुभववाद की समीक्षा, देश एवं काल का सिद्धांत । 2. हीगल का दर्शन – निरपेक्ष प्रत्ययवाद, द्वंदात्मक पद्धति । कुंजी शब्द: समीक्षावाद, आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद, काण्ट एवं हीगल का दर्शन ।	18

सार बिंदु (की वर्ड)/टिग:


 29.10.22
 डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
 अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
 नर्मदापुरम (म.प्र.)

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री :		
1. महामहोपाध्याय, स्व. शर्मा, रामावतार, "यूरोपीय दर्शन", बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्, पटना, 1952 । 2. डॉ. सिन्हा, जे.एन., "पश्चिमी दर्शन", जय प्रकाश नाथ एंड कंपनी, मेरठ, प्रथम संस्करण, 1960, । 3. डॉ. तिवारी, ब्रज गोपाल, "पाश्चात्य दर्शन का आधुनिक युग", लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, हॉस्पिटल रोड, आगरा - 3 । 4. डॉ. राधाकृष्णन, "सर्वपल्ली, भारत और विश्व", सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली-7 । 5. डॉ. मसीह, याकूब, "पाश्चात्य आधुनिक दर्शन की समीक्षात्मक व्याख्या", मोतीलाल बनारसीदास, पटना, 1967 । 6. प्रो. वर्मा, अशोक कुमार, "तत्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा", मोतीलाल बनारसीदास, जवाहर नगर, दिल्ली, चतुर्थ संस्करण, 1989 ।		
अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक :		
1. http://www.ignouhelp.in/ignou-ba-in-philosophy-study-material/ 2. www.friesian.com/history.htm 3. www.utm.edu.com		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:		
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:		
अधिकतम अंक: 100		
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70		
आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	30
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	
आकलन :	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न	70
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): लघु प्रश्न	
समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
कोई टिप्पणी/सुझाव:		


 डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
 अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
 नर्मदापुरम (म.प्र.)

Theory Paper

Part A Introduction			
Program: Degree	Class : B.A.	Year: III	Session: 2023-24
Subject: Philosophy			
1	Course Code	A3-PHIL3D	
2	Course Title	Indian and Western Ethics, (Group B Paper - III)	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	DSE	
4	Pre-requisite	It is mandatory for students studying for this course to have studied Philosophy subject at Diploma level.	
5	Course Learning outcomes (CLO)	1. Students will be able to study Indian and western ethical concepts. 2. Students will get inspiration to lead a moral life by study of ethics. 3. Students will enhance their knowledge by comparative study of Indian and Western ethics. 4. The study of Ethics will be useful for students from the point of view of Competitive examinations. 5. Students will be able to get jobs as the moral counsellors in various institutions.	
6	Credit Value	6	
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks:35
Part B- Content of the Course			
Total No. of Lectures- 90, Tutorials-Practical :			
L-T-P: 3-0-0 (in hours per week)			
Unit	Topics	No. of Lectures (I Hour Each)	
I	Nature of Ethics 1. Meaning, definition and subject matter of Ethics. 2. Main Characteristics of Indian Ethics. 3. Origin and Development of Indian Ethics. 4. Deterioration of Moral Values, Causes & Remedies. Keyword – Moral Philosophy, Origin and Development of Indian Ethics, Moral Values.	18	
II	Ethical Assumptions in Vedic Traditions 1. Ethics of the Vedas-Rit, Rina(debt) and concept of Yagna 2. Ethics of the Upanishads - Major moral assumptions, Means of Attaining Liberation (Moksha), Purushartha. 3. Ethics of the Gita - Concept of Karma Yoga, Swadharma and Concept of Lok Sangraha. 4. Mimamsa Philosophy - Theory of Karma. Keyword – Vedic Ethical Tradition, Rit, Rina, Concept of Yagna, Liberation, Ethics of the Gita, Theory of Karma, Purushartha.	18	
III	Ethical Assumptions in Non-Vedic Tradition 1. Ethics of Charvak – Hedonism, Arth(wealth) and Kama. 2. Jain Ethics - Panchamahavrat, Triratna. 3. Buddhist Ethics –Brahmvihar. Keyword – Non-Vedic Ethical Tradition, arth(wealth) and Kama, Panchamahavrat.	18	

IV	Major Ethical Standard of Western Ethics 1. Nature and History of Western Ethics 2. Moral Standards- Hedonism, Perfectionism, Intuitionism, 3. Mill and Bentham's Utilitarianism 4. Kant- Doctrine of Duty for duty's sake, moral maxims. Keyword –Western Moral Standards, Hedonism, Perfectionism, Intuitionism, moral maxims, Doctrine of Duty for duty's sake	18
V	Theories of Meta Ethics 1. Cognitive Theories – Neo Intuitionism - G.E. Moore. 2. Ethical Naturalism. 3. Non- Cognitive Theories - Emotivism - AJ Ayer, CL Stevenson. 4. Prescriptionism – R.M. Hare. Keyword - Neo Intuitionism, Ethical Naturalism, Emotivism, Prescriptionism.	18

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Peter singer –“Practical Ethics” - Cambridge University, Cambridge 2011.
2. Blackburn Simon –“Ethics - A very short introduction” - Oxford University Press.

Suggestive digital platforms web links

Indian ethics link

1. http://www.ethicsindia.com	Date - 27/05/2021, 04:01 PM
2. http://ethicalindia.org	Date - 27/05/2021, 04:04 PM
3. http://www.routledge.com	Date - 27/05/2021, 04:07 PM
4. http://www.springer.com	Date - 27/05/2021, 04:10 PM
5. http://cbseacademic.nic.in	Date - 27/05/2021, 04:15 PM

Western ethics link

1. http://www.reaserchgate.net	Date - 27/05/2021, 04:22 PM
2. http://www.soac.ac.uk	Date - 27/05/2021, 04:26 PM
3. http://insightsoniindia.com	Date - 27/05/2021, 04:31 PM
4. http://www.lkouniv.ac.in	Date - 27/05/2021, 04:36 PM
5. http://www.coursehera.co	Date - 27/05/2021, 04:41 PM

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 marks University Exam (UE) 70 marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test Assignment/Presentation	30
External Assessment : University Exam Section Time : 03.00 Hours	Section(A) : Very Short Questions Section (B) : Short Questions Section (C) : Long Questions	70

Any remarks/ suggestions:

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: उपाधि	कक्षा : बी.ए.	वर्ष: तृतीय वर्ष	सत्र: 2023-24
विषय: दर्शनशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-PHIL3D	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय एवं पाश्चात्य नीतिशास्त्र, (Group B प्रश्न पत्र- III)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	DSE	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए यह अनिवार्य है कि छात्र ने दर्शनशास्त्र विषय का अध्ययन डिप्लोमा स्तर पर किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. विद्यार्थी भारतीय एवं पाश्चात्य नैतिक अवधारणाओं का अध्ययन कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी नीतिशास्त्र का अध्ययन करके नैतिक जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरित होंगे। 3. विद्यार्थी भारतीय एवं पाश्चात्य नीतिशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन कर अपने ज्ञान का विस्तार कर सकेंगे। 4. नीतिशास्त्र का अध्ययन विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से उपयोगी होगा। 5. विद्यार्थी विभिन्न संस्थाओं में नैतिक परामर्शदाता बनकर रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान	6	
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks:35
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या- 90, ट्यूटोरियल - 0, प्रायोगिक - 0 :			
L-T-P : 3-0-0 (प्रति सप्ताह घंटे में)			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1 घंटा/ व्याख्यान)	
प्रथम	नीतिशास्त्र का स्वरूप 1 नीतिशास्त्र का अर्थ, परिभाषा एवं विषयवस्तु। 2 भारतीय नीतिशास्त्र की प्रमुख विशेषताएं। 3 भारतीय नीतिशास्त्र का उद्भव एवं विकास। 4 नैतिक मूल्यों का ह्रास, कारण और निवारण। कुंजी शब्द - नैतिक दर्शन, भारतीय नीतिशास्त्र का उद्भव एवं विकास, नैतिक मूल्य।	18	

द्वितीय	वैदिक परम्पराओं में नैतिक मान्यताएँ 1 वेदों का नीतिशास्त्र - ऋत, ऋण और यज्ञ की अवधारणा। 2 उपनिषदों का नीतिशास्त्र - प्रमुख नैतिक मान्यताएँ, मोक्ष प्राप्ति के साधन, पुरुषार्थ। 3 गीता का नीतिशास्त्र - कर्म योग, स्वधर्म और लोकसंग्रह की अवधारणा। 4 मीमांसा नीतिशास्त्र - कर्म सिद्धांत। कुंजी शब्द - वैदिक नीति परम्परा, ऋत, ऋण, यज्ञ की अवधारणा, मोक्ष, गीता का नीतिशास्त्र, कर्म सिद्धांत, पुरुषार्थ।	18
तृतीय	अवैदिक परम्परा में नैतिक मान्यताएँ 1 चार्वाक का नीतिशास्त्र - सुखवाद, अर्थ और काम। 2 जैन नीतिशास्त्र - पंचमहाव्रत, त्रिरत्न। 3 बौद्ध नीतिशास्त्र - ब्रह्मविहार। कुंजी शब्द - अवैदिक नीति परम्पराएँ, अर्थ और काम, पंचमहाव्रत।	18
चतुर्थ	पाश्चात्य नीतिशास्त्र के प्रमुख नैतिक मानदंड 1 पाश्चात्य नीतिशास्त्र का स्वरूप एवं इतिहास। 2 नैतिक मानदण्ड-सुखवाद, पूर्णतावाद, मिल और बेन्थम का उपयोगितावाद। 3 कांट- कर्तव्य के लिए कर्तव्य का सिद्धांत, नैतिक सूत्र। कुंजी शब्द - पाश्चात्य नैतिक मानदंड, सुखवाद, पूर्णतावाद, नैतिकसूत्र, कर्तव्य के लिए कर्तव्य का सिद्धांत।	18
पंचम	अधिनीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत 1 संज्ञानात्मक सिद्धांत - नव्य अंतःप्रज्ञावाद - जी.ई. मूर। 2 नैतिक प्रकृतिवाद। 3 असंज्ञानात्मक सिद्धांत - संवेगवाद - ऐ. जे. एअर, सी. एल. स्टीवेन्सन। 4 परामर्शवाद - आर. एम. हेअर। कुंजी शब्द - अधिनीतिशास्त्र, नव्य अंतःप्रज्ञावाद, नैतिक प्रकृतिवाद, संवेगवाद, परामर्शवाद।	18

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री :

1. शाक्य, डॉ. जयप्रकाश, "भारतीय नीतिशास्त्र", अशोक प्रकाशन, आगरा 2011।
2. मिश्रा, डॉ. हृदय नारायण, "नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत", शेखर प्रकाशन इलाहाबाद 2006।
3. शर्मा, डॉ. रामनाथ, "नीतिशास्त्र की रूपरेखा", रामनाथ केदारनाथ प्रकाशन, मेरठ (उ.प्र.)।
4. जाटव, डॉ. डी आर, "नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत", मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर 2006।
5. मिश्रा, डॉ. नित्यानन्द, "नीतिशास्त्र- सिद्धांत तथा प्रयोग", मोतीलाल बाराणसी दास, बाराणसी 2005।
6. वर्मा, डॉ. वेद प्रकाश, "नीतिशास्त्र के मूल सिद्धांत", एलायड पब्लिकेशन दिल्ली 1977।

7. वर्मा, डॉ. अशोक कुमार, "नीतिशास्त्र के सिद्धांत", मोतीलाल बाराणसी दास, दिल्ली 1977।
 8. पाण्डेय, डॉ. संगम लाल, "नीतिशास्त्र का सर्वेक्षण", सेन्ट्रल पब्लिशिंग हाऊस, इलाहाबाद 2005।
 अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक :

Indian ethics link

- | | |
|--|-----------------------------|
| 1. http://www.ethicsindia.com | Date - 27/05/2021, 04:01 PM |
| 2. http://ethicalindia.org | Date - 27/05/2021, 04:04 PM |
| 3. http://www.routledge.com | Date - 27/05/2021, 04:07 PM |
| 4. http://www.springer.com | Date - 27/05/2021, 04:10 PM |
| 5. http://cbseacademic.nic.in | Date - 27/05/2021, 04:15 PM |

Western ethics link

- | | |
|--|-----------------------------|
| 1. http://www.reaserchgate.net | Date - 27/05/2021, 04:22 PM |
| 2. http://www.soac.ac.uk | Date - 27/05/2021, 04:26 PM |
| 3. http://insightsoniindia.com | Date - 27/05/2021, 04:31 PM |
| 4. http://www.lkouniv.ac.in | Date - 27/05/2021, 04:36 PM |
| 5. http://www.coursehera.co | Date - 27/05/2021, 04:41 PM |

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	30
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	
आकलन :	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न	70
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): लघु प्रश्न	
समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	

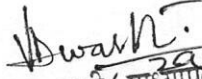
कोई टिप्पणी/सुझाव:

(Signature)
 डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
 अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
 नर्मदापुरम (म.प्र.)

Theory Paper

Part A Introduction			
Program: Degree	Class: B.A.	Year: III	Session: 2023-24
Subject: Philosophy			
1	Course Code	A3-PHIL4D	
2	Course Title	<i>Social and Political Philosophy, (Group B Paper – IV)</i>	
3	Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)	DSE	
4	Pre-requisite	It is mandatory for students studying for this course to have studied Philosophy subject at Diploma level.	
5	Course Learning outcomes (CLO)	1. The knowledge of this course (Political and Social concepts and thinking) will provide students the ability to appear in different competitive exams. 2. Students can become good political and social counsellor. 3. Students can prove themselves to be good administrators.	
6	Credit Value	6	
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks:35
Part B- Content of the Course			
Total No. of Lectures – 90, Tutorials – 0, Practical – 0			
L-T-P: 3-0-0 (in hours per week)			
Unit	Topics	No. of Lectures (I Hour Each)	
I	Introduction of Society 1. Concept and Definition of Society. 2. Principles behind origin of Society, Social Contract Theory. 3. Divine Origin and Natural Theory. Keyword: Society, Social Definition, Principles of Origin of Society.	18	
II	Concept of Social Philosophy 1. Nature and Scope of Social Philosophy. 2. Relation of Social Philosophy with Ethics, Sociology and Political Science. 3. Basic Nature and Characteristics of Family. Keyword: Social Philosophy, Family.	18	
III	Samskar 1. Meaning and Importance of Samskar, Kinds of Samskar. 2. Ashram-Vyavastha. 3. Characteristics of Indian Culture and difference between Culture and Civilization. Keyword: Shodash Samskar, Ashram-vyavastha.	18	
IV	Political Ideologies 1. Nature and Basic Elements of State and duties towards Public. 2. Concept of Democracy, Socialism and Communism. 3. Main aims and characteristics of Indian Constitution. Keyword: Democracy, Socialism, Communism, Indian Constitution.	18	

V	Concept of Justice 1. Nature of Justice, Right of Justice and Kinds of Justice, 2. Theories of Punishment – Theory of Retribution, Theory of Prevention, Reformatory Theory. 3. Concept of Freedom and Equality. Keyword: Justice, Theory of Punishment, Freedom.	18
Keyword/Tags:		
Part C-Learning Resources		
Text Books, Reference Books, Other resources		
Suggested Readings: 1. Daya, Krishna, "Social Philosophy: Past and Future", Indian Institute of Advanced Studies, 1978. 2. Gellner, Earnest, "Political Theory and the Modern State", Rajkamal Prakashan, Delhi, 1976. 3. Macanzy, J. S. "Social Philosophy", Rajkamal Prakashan, Delhi, 1965 4. Joshi, P. C., "Secularism and Development The Indian Experiment", Rajkamal Prakashan, Delhi, 1989 5. Verma, V. P., "Modern Indian Political Thought", Shivalal and Agrawal, Agra, 2015.		
Suggestive digital platforms web links : 1. https://hi.wikipedia.org 2. https://epustakalay.com/book/6093-rajniti-darshan-ka-itihis-by-jaorj-h-sebain-vishwaprakash-gupt/ 3. https://epustakalay.com/book/4829-samaj-darsan-by-ramrkh-singh-sahagal		
Suggested equivalent online courses:		
Part D-Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks : 100		
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 marks University Exam (UE) 70 marks		
Internal Assessment :	Class Test	30
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Assignment/Presentation	
External Assessment :	Section(A) : Very Short Questions	70
University Exam Section	Section (B) : Short Questions	
Time : 03.00 Hours	Section (C) : Long Questions	
Any remarks/ suggestions:		


 डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
 अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
 नर्मदापुरम (म.प्र.)

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: उपाधि	कक्षा: बी. ए.	वर्ष: तृतीय	सत्र: 2023-24
विषय: दर्शनशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-PHIL4D	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सामाजिक एवं राजनीतिक दर्शन, (Group B प्रश्न पत्र – IV)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	DSE	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए यह अनिवार्य है कि छात्र ने दर्शनशास्त्र विषय का अध्ययन डिप्लोमा स्तर पर किया हो।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम सामाजिक एवं राजनीतिक अवधारणाओं एवं विचारों का ज्ञान विद्यार्थी को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने की योग्यता प्रदान करेगा। 2. विद्यार्थी सामाजिक एवं राजनैतिक परामर्शदाता बन सकेगा। 3. विद्यार्थी अपने आपको अच्छा प्रशासक बना सकेगा।	
6	क्रेडिट मान	6	
7	Total Marks	Max. Marks: 30+70	Min. Passing Marks:35
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या- 90, ट्यूटोरियल- प्रायोगिक :			
L-T-P: 3-0-0 (प्रति सप्ताह घंटे में)			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1 घंटा/ व्याख्यान)	
प्रथम	समाज का परिचय 1. समाज की अवधारणा एवं परिभाषा। 2. समाज की उत्पत्ति के सिद्धांत – अनुबंधात्मक सामाजिक सिद्धांत। 3. दैवीय एवं प्राकृतिक सिद्धांत। कुंजी शब्द : समाज, सामाजिक परिभाषाएं, समाज की उत्पत्ति के सिद्धांत।	18	
द्वितीय	समाज दर्शन की अवधारणा 1. समाज दर्शन का स्वरूप एवं क्षेत्र। 2. समाज दर्शन का नीतिशास्त्र, समाजशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र से संबंध। 3. परिवार का मूल स्वरूप एवं विशेषताएं। कुंजी शब्द : समाज दर्शन, परिवार।	18	

तृतीय	संस्कार 1. संस्कार का अर्थ एवं महत्व, संस्कारों के प्रकार । 2. आश्रम- व्यवस्था । 3. भारतीय संस्कृति की विशेषताएं, संस्कृति एवं सभ्यता में अंतर । कुंजी शब्द : षोडश संस्कार, आश्रम- व्यवस्था, भारतीय संस्कृति ।	18
चतुर्थ	राजनैतिक विचारधाराएँ 1. राज्य का स्वरूप, मूल तत्व एवं प्रजा के प्रति कर्तव्य । 2. प्रजातंत्र, समाजवाद एवं साम्यवाद की अवधारणा। 3. भारतीय संविधान के मुख्य उद्देश्य एवं विशेषताएं । कुंजी शब्द : राज्य, प्रजातंत्र, समाजवाद, साम्यवाद, भारतीय संविधान ।	18
पंचम	न्याय की अवधारणा 1. न्याय का स्वरूप, न्याय का अधिकार, न्याय के प्रकार । 2. दंड के सिद्धान्त - प्रतिकार का सिद्धान्त, निवर्तन का सिद्धान्त सुधार का सिद्धान्त । 3. स्वतंत्रता एवं समानता की अवधारणा । कुंजी शब्द : न्याय, दंड के सिद्धान्त, स्वतंत्रता ।	18

सार बिंदु (की बर्ड) टैग:

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री :

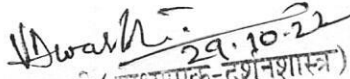
1. अवस्थी, डॉ. ए. एवं अवस्थी, डॉ. आर.के., "भारतीय राजनीतिक चिंतन", रिसर्च पब्लिकेशंस, जयपुर, 2004 ।
2. श्रीवास्तव, डॉ. जगदीशसहाय, "समाज-दर्शन की भूमिका", विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1999 ।
3. मिश्र, डॉ. हृदय नारायण, "समाज दर्शन के सैद्धांतिक एवं समस्यात्मक विवेचन", शेखर प्रकाशन, इलाहाबाद 2003 ।
4. तिवारी, डॉ. जटाशंकर, "वेदांती समाजवाद", समाज धर्म एवं दर्शन, टैगोर टाउन , इलाहाबाद, 1985 ।
5. डॉ. रमेन्द्र, "समाज और राजनीति दर्शन", मोतीलाल बनारसीदास बंगलो रोड, दिल्ली प्रथम संस्करण 2005 ।
6. राममूर्ति, आचार्य, शिक्षा, "संस्कृति एवं समाज", श्रम भारती खादी ग्राम, मुंगेर, बिहार, 2005 ।
7. मिश्रा, डॉ. शोभा (सं)., "शिक्षा का अधिकार एवं दर्शन की भूमिका", निखिल प्रकाशन, आगरा, 2014 ।
8. अग्रवाल, डॉ. विमल, "सामाजिक राजनीतिक दर्शन", ई. बुक, 9266, आईएसबीएन 978-93-5167-072-8
9. अग्रवाल, डॉ. विमल, "समाज दर्शन", ई. बुक, 7707, आईएसबीएन 978-93-5167-072-4 ।

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक :

1. <https://hi.wikipedia.org>
2. <https://epustakalaya.com/book/6093-rajniti-darshan-ka-itihhas-by-jaorj-h-sebain-vishwaprakash-gupt/>
3. <https://epustakalaya.com/book/4829-samaj-darsan-by-ramrkh-singh-sahagal>
- 4.

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:		
अधिकतम अंक: 100		
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70		
आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	30
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	
आकलन :	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न	70
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): लघु प्रश्न	
समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
कोई टिप्पणी/सुझाव:		


 डॉ. विनीता अवस्थी (प्राध्यापक-दर्शनशास्त्र)
 अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
 शासकीय नर्मदा महाविद्यालय
 नर्मदापुरम (म.प्र.)